RAF SECTOR

NEWS CLIP

06/07/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Dainik Bhaskar(Puri,Odisha)

पुरी में भगवान जगन्नाथ का रथ खींचने के लिए 6 लाख लोग पहुंचे

पहली बार जगन्नाथ और गुंडिचा मंदिर को फूलों से सजाने के लिए दिल्ली से डेकोरेटर बुलाए

भास्कर न्यूज | पुरी/अहमदाबाद

देश के प्रमुख चार धामों में से एक पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा गुरुवार दोपहर शुरू हुई। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ रथ से अपनी मौसी के घर के लिए रवाना हुए। उनकी मौसी का घर गुंडिचा देवी का मंदिर है, जहां भगवान हर साल एक सप्ताह रहने के लिए जाते हैं। मंदिर प्रशासन और पर्यटन के पीआरओ लक्ष्मीधर पूजापंडा के मुताबिक गुरुवार को रथ यात्रा में करीब 6 लाख लोग शामिल हुए। ये संख्या पिछले साल के मुकाबले आधी ही है, क्योंकि इस साल तूफान फनी ने यहां तबाही मचाई थी। उससे उबरने और व्यवस्था में हमारे राज्य को समय लग गया। ये रथ यात्रा 10 दिन चलेगी। रथ यात्रा के मौके पर पहली बार भगवान जगन्नाथ मंदिर और गुंडिचा मंदिर को रंगीन फूलों से सजाया गया है। मंदिर को फूलों से विशेष सजावट दिल्ली के एक श्रद्धालु केके शर्मा ने करवाई है। इस काम के लिए दिल्ली से 200 स्पेशल डेकोरेटर्स को बुलाया गया था। सजावट पर करीब 20 लाख रुपए खर्च हुए।

नीम की लकड़ी से बनते हैं रथ

यूनेस्को द्वारा पुरी के एक हिस्से को वैश्विक धरोहर की सूची में शामिल किए जाने के बाद ये पहली रथ यात्रा है। हर साल यात्रा के लिए तीन विशाल रथ बनाए जाते हैं। इनमें भगवान जगन्नाथ के रथ नंदीघोष की ऊंचाई 45 फीट होती है। बलभद्र के रथ तालध्वज की ऊंचाई 44 फीट, जबकि सुभद्रा का रथ दर्पदलन 43 फीट ऊंचा होता है। ये रथ नीम की लकड़ी से बनाए जाते हैं।

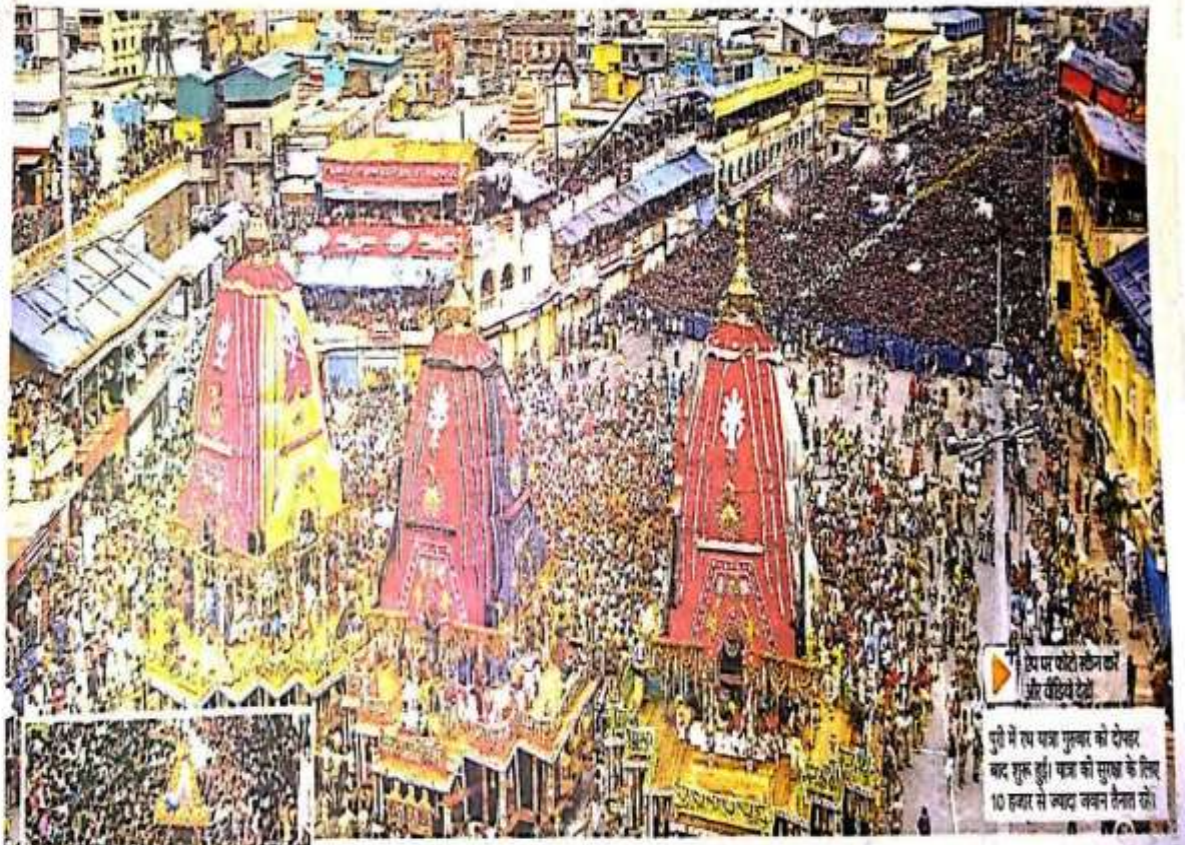

पुरी में रथ यात्रा गुरुवार को दोपहर बाद शुरू हुई। यात्रा की सुरक्षा के लिए 10 हजार से ज्यादा जवान तैनात रहे।

अहमदाबाद यात्रा में इस बार बीते साल से 3 गुना लोग आए।

अहमदाबाद: नर हाथी आगे बढ़ाने पर गलतफहमी, रथ यात्रा आधा घंटा रुकी रही

गुजरात के अहमदाबाद में भी गुरुवार को 142वीं रथ यात्रा निकली। इसमें रथ समेत यात्रा वाहन, मंडली और 18 हाथियों का क्रम निर्धारित होता है। नियमानुसार सबसे आगे मादा हाथी और उसके पीछे नर हाथी होता है। जब रथ यात्रा ननिहाल (सरसपुर) से निज मंदिर की ओर लौट रही थी, तो महावत ने नर हाथी को मादा हाथी से आगे निकालने की कोशिश की। पुलिस ने ऐसा न करने के लिए रोका भी। जब नर हाथी आगे निकला तो यात्रा रोक दी गई। आधे घंटे बाद जगन्नाथ मंदिर के महंत दिलीपदास के दखल से यह मामला सुलझा और यात्रा आगे बढ़ी।

दाऊजी के रथ का पहिया टूट गया

बलराम के रथ का पहिया सरसपुर इलाके में टूट गया। ये घटना भी यात्रा के निज मंदिर लौटते वक्त हुई। हालांकि मरम्मत के बाद रथों ने आगे प्रस्थान किया। यात्रा में भगवान जगन्नाथ का रथ सबसे आगे होता है। फिर सुभद्रा और इनके पीछे बलराम का रथ होता है।

Hari Bhoomi (Bhopal,MP)

आरएएफ ने 200 पौधों का रोपण किया

मंडीदीप। औद्योगिक नगर के समीपस्थ 107 बटालियन आरएएफ कैंप में शुक्रवार को पौधरोपण किया गया । 107 बटालियन कमांडेंट संजय कुमार शर्मा के तत्वावधान में गोद लिए गांव हिनौतिया में वाहिनी के अधिकारियों और जवानों के द्वारा 200 पौधों का रोपण किया गया।

Sambad(Bhubaneswar,Odisha)

ସମ୍ବାଦ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର

ଜାତି ଧର୍ମ ନିର୍ବିଶେଷରେ ସାରା ବିଶ୍ୱବାସୀଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେବା ପାଇଁ ପ୍ରତିବର୍ଷ ଭଳି ଏଥର ମଧ୍ୟ ବଡ଼ଦାଣ୍ଡକୁ ଓହ୍ଲାଇଛନ୍ତି କାଳିଆ ସାଆନ୍ତ। ବଡ଼ଭାଇ ବଳଭଦ୍ର ଓ ଭଉଣୀ ସୁଭଦ୍ରାଙ୍କୁ ସାଙ୍ଗରେ ଧରି ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରମୁହାଁ ହୋଇଛନ୍ତି। ଏହା ସହିତ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଛି ପୁରୁଷୋତ୍ତମ କ୍ଷେତ୍ରରେ ନବଦିନାତ୍ମକ ଘୋଷ ଯାତ୍ରା। ଏହି ଯାତ୍ରାରେ ସାମିଲ ହେବା ପାଇଁ ବିଶ୍ୱର କୋଣ ଅନୁକୋଣରୁ ଭକ୍ତଙ୍କ ସୁଅ ଛୁଟିଛି। ବଡ଼ଦାଣ୍ଡ ପାଲଟିଯାଇଛି ଜନସମୁଦ୍ର। ଶଙ୍ଖ, ଘଣ୍ଟା ନାଦରେ ତିନି ରଥ ଆଗେଇ ଚାଲିବା ଭିତରେ ବଡ଼ଦାଣ୍ଡରେ ପତିତପାବନଙ୍କ ସାନ୍ନିଧ୍ୟ ପାଇ ଭକ୍ତିଭାବରେ ହଜି ଯାଇଛନ୍ତି ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ।

ରଥ ଉପରେ କଳସ ପ୍ରତିଷ୍ଠା

ହନୁମାନ ବେଶରେ ଭକ୍ତ

ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ସମର୍ପିତ ଭକ୍ତ

Photos of Deployment/ Fam-Ex / Adopted Village By RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।